लोग भी जिम्मेदार हैं विमिन सेफ्टी के लिए : फरहान अख्तर

ब्लाइंड स्टूडेंट्स के लिए देश की सबसे बड़ी एक्सेसबल डिजिटल लाइब्रेरी 'योर वॉइज, देयर वर्ल्ड' प्रोजेक्ट राजधानी में लॉन्च हुआ। ओमरॉन कंपनी ने नैशनल असोसिएशन फॉर ब्लाइंड के सहयोग से इसे लॉन्च किया। इस प्रोजेक्ट को लॉन्च करने के लिए यंग एक्टर-डायरेक्टर फरहान अख्तर खासतौर पर दिल्ली आए। फरहान महिलाओं के खिलाफ सेक्सुअल हैरसमेंट को रोकने और उनके एम्पावरमेंट के लिए सक्रियता से काम करने के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने मैन अंगेस्ट रेप एंड डिस्क्रिमिनेशन (MARD) नाम का सोशल कैंपेन भी चलाया हुआ है। उनसे बातचीत की राहुल मानव ने :

महिला सुरक्षा पर बने कानून को काफी मानते हैं?

कानून पर्याप्त हैं, पर उनके लागू होने पर सवाल उठाया जा सकता है। जैसे-जैसे समाज में बदलाव आता है, कानून में भी बदलाव लाने पड़ते हैं। कानून अपनी जगह पर सही हैं, पर उनमें किए गए प्रावधानों को सही ढंग से लागू किया जाए, तभी असर पड़ेगा।

महिलाओं के खिलाफ बढ़ते क्राइम के लिए कौन जिम्मेदार है?

नहीं, हम किसी एक पर उंगली नहीं उठा सकते। ये बेहद कॉम्प्लैक्स प्रॉब्लम है। इसके लिए सामाजिक-आर्थिक कारण, जेंडर असमानता, पुरुषवादी मानसिकता सारी चीजें शामिल हैं। जितनी जिम्मेदारी सिस्टम की है, उतनी ही लोगों की भी है।

दूसरे देशों की पुलिस और दिल्ली पुलिस में फर्क नजर आता है?

सच तो यह है कि मेरा किसी भी देश में पुलिस से पाला नहीं पड़ा है, यह अच्छी बात है। लेकिन मेरे ख्याल से कोई भी इंसान जब शपथ लेता है कि वह कानून की रखवाली करेगा और हमेशा देखेगा कि कानून के दर्जे को सबसे ऊंचा रखा जाए, तो उसके लिए ऐसे बहाने बनाना गलत होगा कि हमें इसके बारे में पता नहीं था। मैंने सुना है कि लोग यह कहते हैं कि पुलिस पर उंगलियां उठाना सही नहीं है क्योंकि पुलिस भी इसी समाज का हिस्सा है। लेकिन मैं मानता हूं कि वे भले ही इसी समाज का हिस्सा हैं, लेकिन सभी ने संविधान की रक्षा करने की शपथ नहीं ली है।

दृष्टिहीन लोगों के इस कॉज को सपोर्ट करने की वजह?

जब कंपनी ने मुझे बताया कि वह ब्लाइंड स्टूडेंट्स के लिए एक ऐसी चीज बना रहे हैं जिससे वे पुरानी पब्लिश हुई सभी किताबों को पढ़ सकेंगे, तो मुझे ये आइडिया पसंद आया। इस एक्सेसबल डिजिटल लाइब्रेरी से पोयम्स रिकॉर्ड भी की जा सकती हैं, तो मैंने इस कॉज को सपोर्ट करते हुए एक पोयम रिकॉर्ड भी की है।